बाग-बगीचों का शहर भी रहा है गुलाबी नगर

-नवल किशोर शर्मा

आज भले ही जयपुर शहर चारों तरफ कंक्रीट के जंगलों से घिरा हो लेकिन इसकी स्थापना के समय इसके परकोटे के अन्दर और बाहर खूबसूरत बाग-बगीचों की परिकल्पना की गई थी और उसी अनुसार उद्यानों का निर्माण भी कराया गया। उस समय शहर के चारों ओर हरे-भरे वृक्षों से आच्छादित घने जंगल थे। आज अपनी स्थापना के दो सौ नब्बे वर्ष पूरे कर चुके इस शहर ने अपने आकार में कई गुणा वृद्धि भले ही कर ली है पर बाग-बगीचों की संख्या उस अनुपात में नहीं बढी है। यूं कहने को जयपुर शहर में कुल 881 उद्यान है लेकिन उचित देखरेख के अभाव में अधिकांश सिर्फ पार्क बनकर रह गए हैं जिनमें न हरियाली है और न ही फुलवारी। बदहाली का आलम यहां तक आ पहुंचा है कि जहां कभी अमरूदों का बाग हुआ करता था वहां अब सिर्फ मैदान रह गया है जिसमें जूतों के मेले तक लग जाया करते हैं।

खैर, यहां के बाग-बगीचों को तीन श्रेणियों में विभाजित कर देखना उचित रहेगा। पहली श्रेणी में वे बाग-बगीचे हैं जिनका निर्माण जयपुर की स्थापना से पहले ही हो गया था जिनमें आमेर की केसर क्यारी, मुगल गार्डन, कनक वृंदावन और परियों का बाग को शामिल किया जा सकता है। दूसरी श्रेणी में जयपुर की स्थापना के समय बनाए गए बाग-बगीचे शामिल हैं जिनमें रामनिवास बाग, जयनिवास उद्यान, सिसोदिया रानी का बाग, विद्याधर का बाग आदि शामिल हैं। तीसरी श्रेणी उन बाग बगीचों की है जो परकोटे के बाहर इसी शताब्दी में बने हैं जिनमें सेंट्रल पार्क, स्मृति वन, द्रव्यवती रिवर फ्रंट पार्क, जवाहर सर्किल पार्क, नेहरू बाल उद्यान, डिअर पार्क, अशोक वाटिका आदि गिने जा सकते हैं।

कनक वृन्दावन बाग

कनक वृंदावन बाग कनक घाटी में नाहरगढ़ पहाड़ी की जंगल से भरी तलहटी में स्थित है। कनक घाटी अरावली श्रृंखला में एक हाथी मार्ग रह चुकी है। कनक घाटी की पवित्रता और शांति ऐतिहासिक संदर्भों से भरी पड़ी है। यह घाटी अश्वमेघ यज्ञ का पवित्र स्थान भी रह चुकी है। कनक वृंदावन बाग का नामकरण राजा सवाई जय सिंह ने किया था जो जयपुर शहर के संस्थापक थे और इस बाग की खूबसूरती के कायल हो गए थे। उन्हें यह जगह भगवान कृष्ण के पवित्र स्थान वृंदावन जैसी लगी थी। राजस्थान में तीज और गणगौर का त्यौहार मनाने आने वाले तीर्थयात्रियों के बीच यह बाग बहुत लोकप्रिय है। कनक वृंदावन बाग की खूबसूरती आसपास के मंदिरों, जैसे गोविंद देवजी और नटवरजी मंदिरों से बढ़ जाती है।

यह बाग खूबसूरत लैंडस्केप वाले लॉन, सुंदर फव्वारों, चमचमाती झीलों के साथ जयपुर का सबसे लोकप्रिय रंगारंग पिकनिक स्पॉट है और फिल्म शूटिंग का स्थान है। कनक वृंदावन बाग बहुत बड़े इलाके में फैला है और इसमें बेज पत्थरों का एक मंदिर है जिसमें संगमरमर के कॉलम और बारीक जालीदार खिड़कियां हैं। इस बाग से आप खूबसूरत जल महल और नाहरगढ़ किले, जयगढ़ किले और आमेर किले की तिकड़ी को दूर से देख सकते हैं। झरनों की कलकल आवाज, शांत झील में खिलते कमल और धोक और कदंब के पेड़ों का दृश्य मन को लुभा जाता है। इस प्राचीन सुंदरता के बीच आप प्रवासी पक्षी जैसे किंगफिशर, डव और नीलकंठ भी देख सकते हैं।